



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-19] रुड़की, शनिवार, दिनांक 07 जुलाई, 2018 ई0 (आषाढ 16, 1940 शक सम्वत्) [संख्या-27

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
सम्पूर्ण गजट का मूल्य ...	—	रु0 3075
भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस ...	369-399	1500
भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया ...	491	1500
भाग 2-आज्ञाएं, विज्ञप्तियां, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियां, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण ...	—	975
भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड-पत्र, नगर प्रशासन, नोटिफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया ...	—	975
भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 5-एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड ...	—	975
भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटीयों की रिपोर्ट ...	—	975
भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियां ...	—	975
भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि ...	143-147	975
स्टोर्स पर्वेज-स्टोर्स पर्वेज विभाग का क्रोड-पत्र आदि ...	—	1425

## भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

## पशुपालन अनुभाग-1

## अधिसूचना

## प्रकीर्ण

16 अप्रैल, 2018 ई0

संख्या 253/XV-1/18/7(75)/07-श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम, 2007 की धारा 13 की उपधारा-1 संपठित उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम (उत्तराखण्ड राज्य में यथाप्रवृत्त), 1904 की धारा 21 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, उत्तराखण्ड राज्य गोवंश संरक्षण नियमावली, 2011 में अग्रेतर संशोधन करने के दृष्टिगत निम्नलिखित नियम बनाते हैं:-

## 'उत्तराखण्ड राज्य गो वंश संरक्षण (संशोधन) नियमावली, 2018'

## 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:

- (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम उत्तराखण्ड राज्य गो वंश संरक्षण (संशोधन) नियमावली, 2018 है।
- (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

## 2. नियम 2 में नया नियम 2(घ) का अन्तःस्थापन:

उत्तराखण्ड राज्य गो वंश संरक्षण नियमावली, 2011 (जिसे यहाँ आगे मूल नियमावली कहा गया है) में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 2(ड) के नीचे पर स्तम्भ-2 में 2(घ) अन्तःस्थापित कर दिया जायेगा, अर्थात्-

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
2. (ड) "स्थानीय प्राधिकारी" के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगरपालिका परिषद् एवं नगर निगम सम्मिलित है।	(ड) "स्थानीय प्राधिकारी" के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत नगरपालिका परिषद् एवं नगर निगम सम्मिलित है। (घ) "अलामकर गो वंश" से तात्पर्य निराश्रित वृद्ध/बीमार/घायल/विकलांग/अनुत्पादक अथवा पुलिस/प्रशासन द्वारा गो तस्करों से जब्त केस प्रॉपर्टी गो वंश से है।

## 3. नियम 4 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 4 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्-

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
4. पशु चिकित्साधिकारी पूर्व से निश्चित और प्रार्थी को सूचित किए गए दिनांक को तथा स्थान पर गो-वंश की जाँच करेगा और यदि उसका समाधान हो जाये कि गो वंश राज्य सरकार द्वारा विज्ञापित या असाध्य रोग एवं पीड़ाजनक परिस्थिति से पीड़ित है तो वह उसको दया मृत्यु दिए जाने के लिए प्ररूप "2" में एक प्रमाण-पत्र जारी करेगा। पशु चिकित्साधिकारी प्रत्येक दशा में अपना निष्कर्ष भी प्रार्थना-पत्र पर अभिलिखित करेगा।	पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा, प्रार्थी को पूर्व से सूचित किए गए समय, दिवस तथा स्थान पर गो वंश की जाँच की जायेगी और यदि उसका समाधान हो जाये कि गो वंश राज्य सरकार द्वारा विज्ञापित किसी सांस्पर्शिक/संसर्गिक रोग या असाध्य रोग एवं पीड़ाजनक परिस्थिति से पीड़ित है, तो वह उस गो वंश को दया मृत्यु की अनुमति दिए जाने के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट (एस0डी0एम0) को तकनीकी परामर्श दिया जायेगा। उप जिला मजिस्ट्रेट (एस0डी0एम0) द्वारा

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
	संशोधित प्ररूप "2" पर उस पशु को दया मृत्यु दिए जाने हेतु अनुमति दी जायेगी।

## 4. नियम 18 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 18 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
18. शहरी क्षेत्र में गो-वंश के पालन के लिए स्वामी को अपने नगर के मुख्य नगर अधिकारी/अधिकासी अधिकारी से अपने गो वंश के पंजीकरण हेतु निर्धारित "प्ररूप 10" पर आवेदन करना होगा।	शहरी क्षेत्र में प्रत्येक गो वंश के पालन के लिए पशु स्वामी को अपने क्षेत्र के राजकीय पशु चिकित्सालय पर नियुक्त पशुचिकित्सा अधिकारी से अपने गो वंश के पंजीकरण हेतु संशोधित प्ररूप "10" पर आवेदन करना होगा;  पशु स्वामी द्वारा गो वंश का पंजीकरण न कराने की दशा में, ऐसे पशु स्वामियों के सम्बन्ध में सम्बन्धित पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा नगर आयुक्त/अधिकासी अधिकारी/पुलिस थाना प्रभारी को प्ररूप-10अ के अनुरूप सूचित किया जायेगा, जिसका संज्ञान लेते हुए नगर आयुक्त/अधिकासी अधिकारी/पुलिस थाना प्रभारी द्वारा उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम, 2007 (समय-समय पर यथासंशोधित) की धारा 11(क) धारा 11 की उपधारा (3) के तहत ऐसे पशु स्वामियों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

## 5. नियम 19 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 19 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
19. मुख्य नगर अधिकारी/अधिकासी अधिकारी प्राप्त आवेदन-पत्र यथाशीघ्र आवेदनकर्ता के क्षेत्र से सम्बन्धित पशु चिकित्साधिकारी को अग्रसारित करेगा और आवेदनकर्ता से यह अपेक्षा करेगा कि वह अपने क्षेत्र के पशु चिकित्साधिकारी से गो वंश का स्वास्थ्य परीक्षण कराकर स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र (प्ररूप 11) तीन प्रतियों में एवं आवेदन-पत्र मूल रूप में उपलब्ध कराये।	सम्बन्धित क्षेत्र के पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा आवेदन-पत्र प्राप्ति के उपरान्त यथाशीघ्र आवेदनकर्ता के प्रत्येक गो वंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर "प्ररूप 11" के अनुरूप तीन प्रतियों में स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र निर्गत किया जायेगा। प्रमाण-पत्र की एक प्रति आवेदक को, एक प्रति सम्बन्धित मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को तथा एक प्रति, कार्यालय प्रति के रूप में अभिलेखबद्ध की जायेगी।

## 6. नियम 21 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 21 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
वर्तमान नियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
21. स्वामी द्वारा सम्बन्धित पशु चिकित्साधिकारी को अपने प्रत्येक गो वंश के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु राज्य सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क का भुगतान किया जायेगा।	(1) पशु स्वामी द्वारा सम्बन्धित क्षेत्र के पशु चिकित्साधिकारी को अपने प्रत्येक गो वंश के स्वास्थ्य परीक्षण एवं पंजीकरण हेतु राज्य सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क का भुगतान किया जायेगा। (2) अलामकर गो वंश को शरण देने हेतु मान्यता प्राप्त गो सदनों में शरणागत गो वंश का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं पंजीकरण किया जायेगा।

## 7. नियम 22 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 22 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
वर्तमान नियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
22. (1) मुख्य नगर अधिकारी/अधिशाली अधिकारी स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्राप्त होने के उपरान्त पशुपालक को उसके प्रत्येक पशु से सम्बन्धित पंजीकरण प्रमाण-पत्र (प्रारूप 12), जिसमें इयर टैग नम्बर को पशु पंजीकरण संख्या के रूप में अंकित किया गया हो, जारी करेंगे। पंजीकरण प्रमाण-पत्र तीन प्रतियों में तैयार किया जायेगा। (2) मुख्य नगर अधिकारी/अधिशाली अधिकारी द्वारा प्रत्येक स्वामी एवं उसके पंजीकृत गोवंश का पूर्ण विवरण, गोवंश पंजीकरण रजिस्टर में दर्ज किया जायेगा।	(1) सम्बन्धित क्षेत्र के पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र निर्गत किए जाने के उपरान्त संशोधित प्रारूप '12' पर प्रत्येक पशु का, तीन प्रतियों में पंजीकरण प्रमाण-पत्र निर्गत किया जायेगा। पंजीकरण प्रमाण-पत्र में प्रत्येक पशु का इयर टैग नम्बर अंकित किया जायेगा। पंजीकरण प्रमाण-पत्र की एक प्रति आवेदक पशुपालक को, एक प्रति मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को तथा एक प्रति, कार्यालय प्रति के रूप में अभिलेखबद्ध की जायेगी। (2) मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रत्येक पंजीकृत गो वंश के पशु स्वामी एवं गो वंश का पूर्ण विवरण, प्रारूप '14' के अनुरूप 'गो वंश पंजीकरण रजिस्टर' में अंकित किया जायेगा तथा इस अभिलेख की त्रैमासिक प्रगति से सम्बन्धित स्थानीय निकाय को अवगत कराया जायेगा।

## 8. नियम 23 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 23 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1	स्तम्भ-2
वर्तमान नियम	एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
23. यदि पंजीकृत गो वंश के कान का इयर टैग खो जाता है तो स्वामी द्वारा इसकी सूचना लिखित रूप में तुरन्त मुख्य नगर अधिकारी/अधिशाली अधिकारी को दी जायेगी और ऐसे गो वंश के पुनः पंजीकरण की कार्यवाही नियम 20 एवं 21 के अध्याधीन की जायेगी।	यदि पंजीकृत गो वंश के कान का इयर टैग खो जाता है तो स्वामी द्वारा इसकी सूचना लिखित रूप में तुरन्त सम्बन्धित पशुचिकित्सा अधिकारी को दी जायेगी और ऐसे गो वंश के पुनः पंजीकरण की कार्यवाही नियम 20 एवं 21 के अध्याधीन की जायेगी।

## 9. नियम 24 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 24 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्-

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
24. यदि कोई व्यक्ति अधिनियम की धारा 8 के उपबन्धों का उल्लंघन करता है अथवा उल्लंघन करने का प्रयास करता है तो उसे अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन दण्डित किया जा सकेगा।	यदि कोई व्यक्ति अधिनियम की धारा 7 एवं 8 के उपबन्धों का उल्लंघन करता है अथवा उल्लंघन करने का प्रयास करता है, तो उसे उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम, 2007 (समय-समय पर यथासंशोधित) की धारा 11 की उपधारा (3) के तहत दण्डित किए जाने हेतु अधिनियम की धारा 11(क) के तहत शमन हेतु प्राधिकृत सक्षम प्राधिकारी द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जा सकेगी। इस क्रम में शमन हेतु प्राधिकृत सक्षम प्राधिकारी द्वारा प्रारूप 15 के अनुरूप चालान की कार्यवाही तथा प्रारूप 16 के अनुरूप शमन की कार्यवाही की जा सकेगी। शमन द्वारा आरोपित अर्थदण्ड का दोषी पशु स्वामी द्वारा एक माह के भीतर भुगतान न किए जाने पर, प्रकरण को न्यायालय में विचारण हेतु प्रस्तुत किया जा सकेगा।

## 10. नियम 25 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 25 के उपनियम (2) के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्-

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
25. (2) ऐसी संस्थाओं, जिनके पास स्वयं की भूमि उपलब्ध हो, उपलब्ध भूमि विवादग्रस्त न हो तथा भूमि संस्था के कब्जे में हो, को प्राथमिकता दी जायेगी। संस्था द्वारा प्रस्तावित भूमि के अधिग्रहण हेतु राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचित न किए जाने और भूमि के पट्टे पर लेने की दशा में भूमि आगामी 30 वर्षों तक पट्टे पर उपलब्ध होने के लिखित अभिलेखों की सत्यापित छायाप्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा।	ऐसी संस्थाओं, जिनके पास स्वयं की भूमि उपलब्ध हो, उपलब्ध भूमि विवादग्रस्त न हो तथा भूमि संस्था के कब्जे में हो, को प्राथमिकता दी जायेगी। संस्था द्वारा प्रस्तावित भूमि के अधिग्रहण हेतु राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचित न किया गया हो, से संबंधित सत्यापित प्रति दी जायेगी। आवेदक संस्था द्वारा भूमि के पट्टे पर लेने की दशा में भूमि आगामी 30 वर्षों तक पट्टे पर उपलब्ध होने के लिखित अभिलेखों की सत्यापित छायाप्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक होगा। आवेदक संस्था द्वारा किराये की भूमि/भवन पर अलाभकर गो वंश हेतु गो सदन संचालित किए जाने की दशा में यह संस्था निर्माण मर्दों में राजकीय अनुदान हेतु अर्ह नहीं होगी। राजकीय मान्यता हेतु अन्य अर्हताएँ पूर्ण संस्था गो वंश भरण-पोषण मर्दों, राजकीय पशु चिकित्सालयों पर निःशुल्क पशु चिकित्सा एवं अन्य तकनीकी सेवाओं तथा उत्तराखण्ड शासन द्वारा यथानिर्धारित अन्य राजकीय सुविधाओं हेतु ही अर्ह होगी।

## 11. नियम 26 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 26 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>26. गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से अलाभकर गो वंश हेतु संस्थाओं की स्थापना हेतु राजकीय सहायता अनुदान स्वीकृत किए जाने के लिए संस्थाओं द्वारा शरणागत गो वंश की संख्या के आधार पर ही उन्हें राजकीय सहायता अनुदान स्वीकृत किया जायेगा। समस्त प्रकरण निम्नलिखित छः वर्गों में बाँट लिए जायेंगे:—</p> <p>(क) मैदानी क्षेत्र में 50 गो वंश को शरण देने की क्षमता वाली संस्था;</p> <p>(ख) मैदानी क्षेत्र में 100 गो वंश को शरण देने की क्षमता वाली संस्था;</p> <p>(ग) मैदानी क्षेत्र में 200 गो वंश को शरण देने की क्षमता वाली संस्था;</p> <p>(घ) पर्वतीय क्षेत्र में 50 गो वंश को शरण देने की क्षमता वाली संस्था;</p> <p>(ङ) पर्वतीय क्षेत्र में 100 गो वंश को शरण देने की क्षमता वाली संस्था;</p> <p>(च) पर्वतीय क्षेत्र में 200 गो वंश को शरण देने की क्षमता वाली संस्था:</p> <p>परन्तु यह कि, यदि संस्था द्वारा वर्तमान में 50 गो वंश को शरण दी गई है तो प्रथम चरण में उस संस्था को कुल 50 गो वंश की क्षमता वाली संस्था की स्थापना हेतु ही राजकीय सहायता अनुदान की स्वीकृति की जा सकेगी। इसी प्रकार 50 से अधिक किन्तु 100 से कम गो वंश को शरण देने वाली संस्थाओं का प्रथम चरण में 100 गो वंश की क्षमता वाली संस्था की स्थापना हेतु ही राजकीय सहायता अनुदान स्वीकृत की जा सकेगी तथा 100 से अधिक किन्तु 200 से कम गो वंश को शरण देने वाली संस्थाओं को प्रथम चरण में 200 गो वंश की क्षमता वाली संस्था की स्थापना हेतु ही राजकीय सहायता अनुदान स्वीकृत की जा सकेगी।</p>	<p>गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से अलाभकर गो वंश के हितार्थ स्थापित संस्थाओं के संचालन एवं सुदृढीकरण मदों हेतु राजकीय सहायता अनुदान का प्राविधान किया जायेगा। प्रतिबन्ध यह है कि, मैदानी क्षेत्रों में 50 से कम अलाभकर गो वंश को शरण देने वाली तथा पर्वतीय क्षेत्रों में 25 से कम अलाभकर गो वंश को शरण देने वाली संस्थाएँ राजकीय अनुदान हेतु पात्र नहीं होंगी।</p> <p>समय-समय पर उत्तराखण्ड शासन के दिशा-निर्देशों एवं बजट की उपलब्धता के अनुरूप आवेदक संस्थाओं के आवेदन प्रकरण स्वीकृत किए जा सकेंगे।</p> <p>संस्था के संचालन (गो वंश भरण-पोषण प्रबन्धन) हेतु, संस्था में शरणागत गो वंश की संख्या के अनुसार समानुपातिक आधार पर राजकीय सहायता अनुदान स्वीकृत किया जायेगा।</p>

## 12. नियम 27 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 27 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
27. समस्त अनुदान नियम 26 के अधीन छः वर्गों में ही स्वीकृत किए जायेंगे। सम्बन्धित संस्था को प्रारम्भ में, उल्लिखित स्थान पर प्रस्तावित निर्माण का साइट प्लॉन ले-आउट का आरम्भिक आगणन प्रस्तुत करना होगा। नीतिगत रूप से निर्माण किए जाने के लिए निर्णय हो जाने के उपरान्त आवेदक को साइट प्लॉन ले-आउट का ब्लू प्रिन्ट तथा मदवार वृहद् आगणन प्रस्तुत करना होगा। यह आगणन लोक निर्माण विभाग की राजकीय कार्यों हेतु अनुमन्य दरों पर तदनुसार दरें प्रमाणित करते हुए, प्रस्तुत किए जायेंगे।	समस्त अनुदान नियम 25 एवं नियम 26 के अधीन स्वीकृत किए जायेंगे। उत्तराखण्ड शासन द्वारा पर्वतीय क्षेत्रों तथा मैदानी क्षेत्रों हेतु निर्धारित मानक मानचित्रों/आगणनों के अनुरूप ही निर्माण मदों में राजकीय सहायता दी जा सकेगी। समय-समय पर उत्तराखण्ड शासन के दिशा-निर्देशों एवं बजट की उपलब्धता के अनुरूप आवेदक संस्थाओं को निर्माण मदों अथवा भरण-पोषण मदों में राजकीय सहायता दी जा सकेगी।

## 13. नियम 29 का संशोधन:

मूल नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 के वर्तमान नियम 29 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्—

स्तम्भ-1 वर्तमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
29.(1) समस्त आवेदन प्रकरणों की सक्षम अधिकारियों के माध्यम से जाँच कराई जायेगी। सम्यक् जाँचोपरान्त निम्नलिखित चयन समिति द्वारा राजकीय सहायता अनुदान हेतु संस्थाओं का चयन किया जायेगा:—	समस्त आवेदन प्रकरणों की सक्षम अधिकारियों के माध्यम से जाँच कराई जायेगी। सम्यक् जाँचोपरान्त निम्नलिखित चयन समिति द्वारा राजकीय सहायता अनुदान हेतु संस्थाओं का चयन किया जायेगा:—
(क) पशुपालन मंत्री — अध्यक्ष	(क) पशुपालन मंत्री — अध्यक्ष उत्तराखण्ड सरकार
(ख) उपाध्यक्ष, उत्तराखण्ड गो सेवा आयोग — सदस्य	(ख) अध्यक्ष, उत्तराखण्ड गो सेवा आयोग — सदस्य
(ग) सचिव, पशुपालन उत्तराखण्ड शासन — सदस्य	(ग) उपाध्यक्ष, उत्तराखण्ड गो सेवा आयोग — सदस्य
(घ) विभागाध्यक्ष, पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड — सदस्य	(घ) उपाध्यक्ष, उत्तराखण्ड पशु कल्याण बोर्ड — सदस्य
(ङ) सचिव, उत्तराखण्ड गो सेवा आयोग — सदस्य सचिव	(ङ) सचिव, पशुपालन, उत्तराखण्ड शासन — सचिव
(च) सचिव, उत्तराखण्ड पशु कल्याण बोर्ड — सदस्य	(च) विभागाध्यक्ष, पशुपालन विभाग, उत्तराखण्ड — सदस्य सचिव
	(छ) सचिव, उत्तराखण्ड गो सेवा आयोग — सदस्य
	(ज) सचिव, उत्तराखण्ड पशु कल्याण बोर्ड — सदस्य

## 14. नियम 33 एवं 34 का अंतःस्थापनः

मूल नियमावली के नियम 32 के पश्चात् क्रमशः नियम 33 एवं 34 शीर्षक के साथ एतद्द्वारा निम्न अंतःस्थापित कर दिये जायेंगे, अर्थात्:-

## 33. गो उत्तकों के परीक्षण हेतु विधि विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना:

गो हत्या अथवा गो हत्या की आशंका के आपराधिक प्रकरणों में गो उत्तकों (मांस, रक्त, अस्थि, बाल, त्वचा अथवा अन्य गो उत्तक) के विधि विज्ञान परीक्षण हेतु प्रयोगशाला की स्थापना की जा सकेगी। इस क्रम में राज्य सरकार द्वारा विधि विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना हेतु अधिसूचना जारी कर संबंधित प्रयोगशाला को दण्ड प्रक्रिया संहिता में उल्लिखित प्राविधानों के अनुरूप मान्यता दी जा सकेगी।

## 34. गो उत्तकों के संकलन, हस्तान्तरण परिवहन एवं परीक्षण हेतु प्रक्रिया:

संबंधित पुलिस थाना अध्यक्ष/चौकी प्रभारी द्वारा क्षेत्र के राजकीय पशु चिकित्सालय पर नियुक्त पशु चिकित्साधिकारी को प्ररूप-17 पर लिखित सूचना दिए जाने पर, संबंधित पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा प्ररूप-18 पर पुलिस के सहयोग से गो उत्तकों (मांस, रक्त, अस्थि, बाल, त्वचा अथवा अन्य गो उत्तक) के नमूने को संकलित कर संबंधित पुलिस थाना अध्यक्ष/चौकी प्रभारी को हस्तगत किए जायेंगे। संबंधित पुलिस थाना अध्यक्ष/चौकी प्रभारी द्वारा गो उत्तक नमूने को पुलिस अभिरक्षा में अधिसूचित विधि विज्ञान प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु प्रेषित किया जायेगा। समय-समय पर, प्रचलित एवं उपलब्ध तकनीकों के अनुरूप, गो उत्तक नमूने की मात्रा, संकलन की प्रक्रिया एवं सावधानियाँ, परीक्षण की विधि इत्यादि का निर्धारण हेतु 'निदेशक, उत्तराखण्ड पशुपालन विभाग' सक्षम प्राधिकारी होंगे।



## नियम-4 के तहत संशोधित प्ररूप "2"

वर्तमान प्राविधान	एतद्वारा प्रतिस्थापित प्ररूप
<p>प्ररूप "2"</p> <p>मैं.....</p> <p>जो.....</p> <p>..... का पशु चिकित्साधिकारी हूँ, ने.....</p> <p>की जाँच कर ली है और मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि.....</p> <p>..... विज्ञिप्त सांस्पर्शिक/सांसर्गिक अथवा असाध्य रोग से पीड़ित है और उसको दया मृत्यु दी जा सकती है।</p> <p>दिनांक : .....</p>	<p>प्ररूप "2"</p> <p>सांस्पर्शिक/सांसर्गिक अथवा असाध्य रोग से पीड़ित गोवंश को दया मृत्यु दिये जाने हेतु अनुमति सेवा में,</p> <p>मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, जनपद --.....।</p> <p>निवेदन है कि मेरे द्वारा गोवंश हुलिया.....</p> <p>की जाँच कर ली गई है और मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि, यह गो वंश विशेष विज्ञिप्त सांस्पर्शिक/सांसर्गिक अथवा असाध्य रोग से पीड़ित है और उसको दया मृत्यु दिए जाने की अनुशंसा की जाती है। कृपया सक्षम प्राधिकारी द्वारा दया मृत्यु की अनुमति दिए जाने हेतु प्रकरण अग्रसारित करेंगे।</p> <p>दिनांक :</p> <p>हस्ताक्षर पशुचिकित्सा अधिकारी :</p> <p>नाम पशुचिकित्सा अधिकारी :</p> <p>कार्यालय की मुहर :</p> <p>सेवा में,</p> <p>उप जिला मजिस्ट्रेट (एस0डी0एम0), जनपद --.....।</p> <p>निवेदन है कि, मेरे द्वारा उक्त गोवंश को दया मृत्यु दिए जाने के प्रकरण का तकनीकी निरीक्षण कर लिया गया है। कृपया इस प्रकरण में इस विशिष्ट गोवंश को दया मृत्यु दिए जाने की अनुमति निर्गत करेंगे।</p> <p>दिनांक :</p> <p>हस्ताक्षर मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी :</p> <p>नाम मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी :</p> <p>कार्यालय की मुहर :</p> <p>उक्त विशिष्ट गोवंश को दया मृत्यु दी जा सकती है।</p> <p>दिनांक :</p> <p>हस्ताक्षर उप जिला मजिस्ट्रेट (एस0डी0एम0):</p> <p>कार्यालय की मुहर :</p>

## नियम-18 के तहत संशोधित प्ररूप "10"

वर्तमान प्ररूप	एतद्वारा प्रतिस्थापित प्ररूप
<p align="center"><b>प्ररूप "10"</b></p> <p><u>गो-वंश के पंजीकरण हेतु आवेदन-पत्र</u></p> <p>सेवा में, मुख्य नगर अधिकारी/अधि० अधिकारी, नगरपालिका/नगर निगम..... जनपद ..... ।</p> <p>महोदय, मैं, ..... पुत्र श्री ..... निवासी..... डाकखाना ..... पुलिस थाना..... जनपद ..... अपने निम्नलिखित गो-वंशीय पशुओं का पंजीकरण करने के लिए अनुरोध करता हूँ:- गो-वंशीय पशुओं का विवरण : 1. 2.</p> <p align="right">भवदीय,</p> <p>आवेदक का नाम एवं हस्ताक्षर</p>	<p align="center"><b>प्ररूप "10"</b></p> <p><u>गो-वंश के पंजीकरण हेतु आवेदन-पत्र</u></p> <p>सेवा में पशु चिकित्साधिकारी, राजकीय पशु चिकित्सालय ..... जनपद ..... ।</p> <p>महोदय, मैं, ..... पुत्र श्री ..... निवासी..... डाकखाना ..... पुलिस थाना..... जनपद ..... अपने निम्नलिखित गो-वंशीय पशुओं का पंजीकरण करने के लिए अनुरोध करता हूँ:- गो-वंशीय पशुओं का विवरण : 1. 2.</p> <p align="right">भवदीय,</p> <p>आवेदक के हस्ताक्षर : आवेदक का नाम : आवेदक का पता : आवेदन की तिथि :</p>

## नियम-18 के तहत प्रस्तावित प्ररूप "10 अ"

प्रेषक,

पशुचिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ पशुचिकित्सा अधिकारी,

राजकीय पशु चिकित्सालय

सेवा में,

नगर आयुक्त/मुख्य नगर अधिकारी,

नगरनिगम/नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत

पत्रांक.....दिनांक.....

विषय : उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम, 2007 (समय-समय पर यथासंशोधित) की धारा 8 के तहत नगर निकाय अन्तर्गत गो वंशीय पशुओं का पंजीकरण विषयक।

महोदय,

निवेदन है कि,

- उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम, 2007 की धारा 8 के तहत नगर निकाय क्षेत्र..... अन्तर्गत, दिनांक .....से .....की अवधि में, कुल .....पशुपालकों के कुल .....गो वंशीय पशुओं का पंजीकरण किया गया। तदनुसार इनकी सूची संलग्न कर प्रेषित है/इस कार्यालय के पत्रांक.....दिनांक..... के अनुरूप आपको पूर्व में प्रेषित की गई है। तदक्रम में अन्य पशुपालकों द्वारा सहयोग किया जाना प्रतिक्षित है।
- गो वंशीय पशुओं का पंजीकरण सुनिश्चित किए जाने हेतु वार्ड संख्या.....अन्तर्गत में दिनांक .....को पशुपालन विभाग द्वारा इयर टैगिंग/हूलिया पहचान चिन्हीकरण कराया जाना है। तदक्रम में वर्तमान समय में प्रभावी शासनादेश संख्या 103/XV-1/2011/7(81)/2005, दिनांक 23 मार्च, 2011 के अनुरूप निर्धारित ₹ 50/-प्रति पशु की दर से स्वास्थ्य परीक्षण/गो वंश पंजीकरण प्रमाण-पत्र निर्गत किया जाना है।

निवेदन है कि, कृपया सम्बन्धित सभासद/पार्षद के माध्यम से वार्ड संख्या.....के डेरी पशुपालकों को सूचित करने की कृपा करेंगे। किंचित पशुपालकों द्वारा असहयोग की स्थिति में अधिनियम की धारा 11(3) एवं धारा 11(क) के तहत कार्यवाही हेतु संज्ञान लेना चाहे।

(डा0.....)

पशुचिकित्सा अधिकारी.....

राजकीय पशु चिकित्सालय.....

पत्रांक :...../तददिनांकित

प्रतिलिपि :

1. थाना अध्यक्ष, ..... को इस आशय के साथ कि, उक्त क्रम में किंचित पशुपालकों द्वारा असहयोग की दशा में कार्यवाही हेतु अधिनियम की धारा 11(3) एवं धारा 11(क) के तहत संज्ञान लेना चाहे।
2. सभासद/पार्षद, वार्ड संख्या .....।
3. मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, जनपद .....।

पशु चिकित्सा अधिकारी.....

राजकीय पशु चिकित्सालय.....

## नियम-22(1) के तहत संशोधित प्ररूप "12"

वर्तमान प्ररूप ( प्ररूप "12" )	एतद्वारा प्रतिस्थापित प्ररूप ( प्ररूप "12" )																																												
<u>गो-वंश के पंजीकरण हेतु प्रमाण-पत्र</u>	<u>गो-वंश के पंजीकरण हेतु प्रमाण-पत्र</u>																																												
श्री ..... पुत्र श्री ..... निवासी ..... डाकखाना ..... पुलिस थाना ..... जनपद ..... के गोवंशीय पशुओं को पशु चिकित्साधिकारी, राजकीय चिकित्सालय ..... द्वारा जारी किए गए पशु स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र संख्या ..... के अनुसार निम्नलिखित रूप से पंजीकृत किया जाता है:-	श्री ..... पुत्र श्री ..... निवासी ..... डाकखाना ..... पुलिस थाना ..... जनपद ..... के गोवंशीय पशुओं को इस कार्यालय द्वारा जारी किए गए पशु स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र संख्या ..... के आधार पर निम्नलिखित रूप से पंजीकृत किया जाता है:-																																												
<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse; text-align: center;"> <thead> <tr> <th>क्र० सं०</th> <th>पशु</th> <th>लिंग</th> <th>टैग सं०</th> </tr> </thead> <tbody> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> </tbody> </table>	क्र० सं०	पशु	लिंग	टैग सं०																	<table border="1" style="width: 100%; border-collapse: collapse; text-align: center;"> <thead> <tr> <th>क्र० सं०</th> <th>पशु का हूलिया (रंग, आयु, व्यांत, सींग, पूँछ)</th> <th>लिंग</th> <th>टैग संख्या</th> </tr> </thead> <tbody> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> </tbody> </table>	क्र० सं०	पशु का हूलिया (रंग, आयु, व्यांत, सींग, पूँछ)	लिंग	टैग संख्या																				
क्र० सं०	पशु	लिंग	टैग सं०																																										
क्र० सं०	पशु का हूलिया (रंग, आयु, व्यांत, सींग, पूँछ)	लिंग	टैग संख्या																																										
मुख्य नगर अधिकारी/अधिशाली अधिकारी के हस्ताक्षर, दिनांक और मुहर	पशुचिकित्सा अधिकारी के हस्ताक्षर : पशुचिकित्सा अधिकारी का नाम : दिनांक एवं कार्यालय की मुहर :																																												

## नियम-22(2) के तहत संशोधित प्ररूप "14"

वर्तमान प्ररूप ( प्ररूप "14" )	एतद्वारा प्रतिस्थापित प्ररूप ( प्ररूप "14" )																																			
<u>गो-वंश पंजीकरण पंजिका</u> प्ररूप निर्धारित नहीं।	<u>गो-वंश पंजीकरण पंजिका</u> स्थानीय निकाय क्षेत्र का नाम : जनपद का नाम : गत त्रयमास में पंजीकृत गो वंश का विवरण:- <table border="1"> <thead> <tr> <th>पशु स्वामी का नाम, पता</th> <th>पंजी0 संख्या</th> <th>टैग संख्या</th> <th>लिंग</th> <th>आयु</th> <th>सींग</th> <th>हूलिया, रंग एवं पूछ</th> </tr> </thead> <tbody> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> </tbody> </table> मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी के हस्ताक्षर : मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी का नाम : दिनांक एवं कार्यालय की मुहर :	पशु स्वामी का नाम, पता	पंजी0 संख्या	टैग संख्या	लिंग	आयु	सींग	हूलिया, रंग एवं पूछ																												
पशु स्वामी का नाम, पता	पंजी0 संख्या	टैग संख्या	लिंग	आयु	सींग	हूलिया, रंग एवं पूछ																														

## नियम-24 के तहत प्ररूप '15'

## आरोपित पक्ष को निर्गत पंचनामा/चालान का प्ररूप

आज दिनांक \_\_\_\_\_, समय \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ पर उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम, 2017, उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2015 एवं अधिनियम के अन्तर्गत प्राख्यापित उत्तराखण्ड राज्य गो वंश संरक्षण (संशोधन) नियमावली, 2016 के प्राविधानों के उल्लंघन हेतु निम्न व्यक्ति/व्यक्तियों द्वारा अपराध होना पाया गया:-

1. पशु स्वामी का नाम एवं पता : \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_  
\_\_\_\_\_

2. उक्त कानूनी प्राविधान के उल्लंघन का विवरण (जो लागू न हो, उसे काट दें):

(क) उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम की धारा-7(क) का उल्लंघन करते हुए गो वंश को आवारा छोड़े जाने का अपराध कारित पाया गया।

(ख) उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम की धारा 7(ख) का उल्लंघन करते हुए गो वंश को दूध दुहने के उपरान्त स्वतंत्र विचरण हेतु छोड़े जाने का अपराध कारित पाया गया।

(ग) उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम की धारा-8 का उल्लंघन करते हुए, गो वंश को पंजीकृत न कराये जाने का अपराध कारित पाया गया।

हस्ताक्षर साक्षीगण (1) : \_\_\_\_\_ (2) : \_\_\_\_\_

नाम साक्षीगण (1) : \_\_\_\_\_ (2) : \_\_\_\_\_

पता साक्षीगण (1) : \_\_\_\_\_ (2) : \_\_\_\_\_

## आरोपित को सक्षम प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अर्थदण्ड का शमन कराये जाने की सूचना

आप \_\_\_\_\_ पिता का नाम \_\_\_\_\_

निवासी \_\_\_\_\_ थाना \_\_\_\_\_

जिला \_\_\_\_\_ को सूचित किया जाता है कि आपके द्वारा उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण अधिनियम, 2017/उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2015/उत्तराखण्ड राज्य गो-वंश संरक्षण (संशोधन) नियमावली, 2016 के अन्तर्गत उक्त वर्णित अपराध कारित किया गया है, इसलिए आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप दिनांक \_\_\_\_\_ तक मुख्य नगर अधिकारी/अधिशाली अधिकारी/पुलिस थाना प्रभारी/पुलिस चौकी प्रभारी (जो लागू न हो, उसे काट दें) \_\_\_\_\_ के समक्ष उपस्थित होकर कारित अपराध के विपरीत आरोपित अर्थदण्ड का शमन कराते हुए दण्ड राशि का भुगतान कर, भुगतान रसीद प्राप्त कर लें।

ह0 :

प्राधिकृत अधिकारी,

नाम : \_\_\_\_\_

मुहर : \_\_\_\_\_

एक प्रति प्राप्त की

\_\_\_\_\_

(ह0-आरोपित पक्ष)

आरोपित पक्ष की अनुपलब्धता की दशा में पंचनामा/चालान को पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित करें।

## नियम-24 के तहत प्ररूप "16"

आरोपित द्वारा कारित अपराध हेतु आरोपित अर्थदण्ड का शमन कराये जाने हेतु प्ररूप  
सेवा में,

मुख्य नगर अधिकारी/अधिशाली अधिकारी/पुलिस थाना प्रभारी/पुलिस चौकी प्रभारी,  
(जो कि पुलिस उपनिरीक्षक स्तर से कनिष्ठ न हो)

.....

महोदय,

अवगत कराया जाना है कि, पंचनामा चालान संख्या ..... दिनांक ..... के अनुरूप अधोहस्ताक्षरी को उत्तराखण्ड गो-वंश संरक्षण, अधिनियम, 2007 की धारा-7 (गो-वंश को आवारा छोड़े जाने)/ धारा 8 (गो वंश का पंजीकरण न कराये जाने) के प्राविधानों का उल्लंघन किए जाने हेतु दोषी पाया गया। भविष्य में पुनः इस दोष की कदापि पुनरावृत्ति नहीं होगी।

अतः, अनुरोध है कि कृपया उत्तराखण्ड गो वंश संरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2015 की धारा 11(क) एवं उत्तराखण्ड राज्य गो वंश संरक्षण (संशोधन) नियमावली, 2016 के नियम-24 के तहत इस प्रकरण में कारित अपराध के विपरीत आरोपित अर्थदण्ड का शमन स्वीकार करते हुए, दण्ड की राशि ₹ 1,000.00 मात्र (रु0 एक हजार मात्र) का भुगतान प्राप्त कर भुगतान रसीद निर्गत करने की कृपा करेंगे।

दोषी पशु स्वामी के हस्ताक्षर : .....

दोषी पशु स्वामी का नाम : .....

दोषी पशु स्वामी का पता : .....

## नियम-34 के तहत प्ररूप "17"

गोहत्या/गोमांस की आशंका के क्रम में विषय विशेषज्ञ आख्या/विधि विज्ञान परीक्षण हेतु  
गो उत्तक नमूना संकलन के क्रम में प्रारूप-पत्र

सेवा में,

पशुचिकित्सा अधिकारी,

राजकीय पशु चिकित्सालय .....

जनपद - .....

महोदय,

सूचित किया जाना है कि दिनांक ..... को पुलिस थाना/चौकी .....  
अन्तर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या ..... (अथवा संलग्न तहरीर/अथवा स्वतः संज्ञान) द्वारा  
गोहत्या/गोमांस की आशंका के क्रम में अपराध संज्ञान में आया है। इस प्रकरण में आपके स्तर से विषय विशेषज्ञ आख्या  
से अवगत कराने का कष्ट करेंगे तथा आवश्यकता के अनुरूप विधि विज्ञान परीक्षण हेतु गो उत्तक नमूना संकलित कर  
उपलब्ध कराने का कष्ट करेंगे।

हस्ताक्षर, थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी : .....

नाम, थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी : .....

कार्यालय मुहर : .....



## नियम-34 के तहत प्ररूप '18'

## विधि विज्ञान परीक्षण हेतु संकलित गो उत्तक नमूना प्रेषण हेतु प्ररूप पत्र

सेवा में,

प्रभारी अधिकारी,

राजकीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला पशुलोक, ऋषिकेश,

जनपद - देहरादून।

महोदय,

सूचित किया जाना है कि दिनांक ..... को पुलिस थाना/चौकी ..... अन्तर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या ..... (अथवा संलग्न तहरीर/अथवा स्वतः संज्ञान) द्वारा गोहत्या/गोमांस की आशंका के क्रम में अपराध संज्ञान में आया है। इस प्रकरण में आपके स्तर से विधि विज्ञान परीक्षण हेतु गो उत्तक नमूना संकलित कर निम्नानुसार संरक्षित कर अग्रसारित है:-

नमूने की मात्रा :

नमूने की स्थिति :

परिरक्षक द्रव का नाम :

मुहरबन्द किए जाने की तिथि :

मुहरबन्द किए जाने का समय :

मुहरबन्द सत्यापन (Seal attestation) संलग्न कर प्रस्तुत है।

मुहरबन्दी के समय साक्षीगणों के हस्ताक्षर:-

- |                                       |                                       |
|---------------------------------------|---------------------------------------|
| 1. साक्षी संख्या-1 के हस्ताक्षर ..... | 2. साक्षी संख्या-2 के हस्ताक्षर ..... |
| साक्षी संख्या-1 का नाम .....          | साक्षी संख्या-2 का नाम .....          |
| साक्षी संख्या-1 का पता .....          | साक्षी संख्या-2 का पता .....          |

प्रकरण पर पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा संक्षिप्त रिपोर्ट :

प्रकरण पर पशुचिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रारम्भिक आख्या :

पशुचिकित्सा अधिकारी के हस्ताक्षर/तिथि : .....

पशुचिकित्सा अधिकारी का नाम : .....

पशुचिकित्सा अधिकारी का पदनाम : .....

पशुचिकित्सा अधिकारी की कार्यालय मुहर : .....

पत्र प्रेषण पत्रांक/तिथि : .....

नमूना प्राप्तकर्ता पुलिसकर्मी के हस्ताक्षर/तिथि : .....

नमूना प्राप्तकर्ता पुलिसकर्मी का नाम : .....

नमूना प्राप्तकर्ता पुलिसकर्मी का पदनाम : .....

नमूना प्राप्तकर्ता पुलिसकर्मी के नियंत्रक पुलिस अधिकारी के हस्ताक्षर/तिथि : .....

नमूना प्राप्तकर्ता पुलिसकर्मी के नियंत्रक पुलिस अधिकारी का नाम : .....

नमूना प्राप्तकर्ता पुलिसकर्मी के नियंत्रक पुलिस अधिकारी का पदनाम : .....

पत्र प्रेषण पत्रांक/तिथि : .....

आज्ञा से,

आर० मीनाक्षी सुन्दरम,

सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 253/XV-I/18/7(75)/07, dated April 16, 2018 for general information.

## NOTIFICATION

## MISCELLANEOUS

April 16, 2018

**No. 253/XV-I/18/7(75)/2007**--In exercise of the power conferred by sub-section 1 of section 13 of Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2007, read with section of Uttar Pradesh General Clause Act (as applicable in state of Uttarakhand), 1904 the Governor is pleased to make the following rules with view to further amend the Uttarakhand State Protection of Cow Progeny Rules, 2011--

**The Uttarakhand State Protection of Cow Progeny (Amendment) Rules, 2018****1. Short title and commencement :**

- (1) These rules may be called The Uttarakhand State Protection of Cow Progeny (Amendment) Rules, 2018.
- (2) It shall come into force at once.

**2. Insertion of new rule 2(f) in rule 2 :**

In the Uttarakhand State Protection of Cow Progeny Rules, 2011 (hereinafter referred to as principal rules), the existing rule as setout in column-1 below the rule 2(f)-as setout in column-2 shall be inserted; namely--

Column-1 <i>Existing Rule</i>	Column-2 <i>Rule Hereby substituted</i>
<b>2.(e)</b> The areas under the Local Authority will be the Gram Panchayat, Kshetra Panchayat, District Panchayat, Municipality and Municipal Corporation.	<p>(e) The Local Authority shall compare the Gram Panchayat, Kshetra Panchayat, District Panchayat, Nagar Panchayat, Municipality and Municipal corporation.</p> <p>(f) <b>"uneconomic cow progeny"</b> means homeless old/sick/injured/ disabled/ unproductive or case property cow progeny confiscated by police/administration from cow smugglar.</p>

**3. Amendment in rule 4 :**

In rule 4 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :--

Column-1 <i>Existing Rule</i>	Column-2 <i>Rule Hereby substituted</i>
<b>4.</b> The Veterinary Officer shall inform the applicant about the date, time and place for the examination of the diseased animal and carry out the examination of the animal and if it is proved that the said animal is suffering from a infectious or/communicable disease notified by the State Government which is incurable and the animal is in pain then the said officer shall issue a certificate on Proforma "2" for the euthanasia of such animal Veterinary Officer will ensure that his diagnosis and decision to the effect is also put in writing on the original application.	The Veterinary Officer shall inform the applicant about the date, time and place for the examination of the cow progeny and carry out the examination of cow progeny and if it is proved that the said cow progeny is suffering from a infectious or/ communicable disease notified by the State Government which is incurable and the animal is in pain then the Veterinary Officer shall provide technical advice to Sub-District Magistrate (SDM) regarding euthanasia of the said animal. Sub-District Magistrate (SDM) shall provide permission regarding euthanasia of said animal on the amended <b>Proforma "2"</b> .

4. **Amendment in rule 18 :**

In rule 18 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :—

Column-1 <i>Existing Rule</i>	Column-2 <i>Rule Hereby substituted</i>
18. For registration of their cow progeny in urban areas the rearers apply for registration of their animals on prescribed Proforma to the Mukya Nagar Adhikari/Executive Officer on prescribed format. ( <b>Proforma 10</b> )	For registration of their cow progeny in urban areas, the animal owners shall have to apply to Veterinary Officer appointed at Government Veterinary Hospital of the concerned area on the amended <b>Proforma "10"</b> .  In the case animal owner doesn't registered cow progeny, the intimation about such animal owners shall be conveyed by concerned Veterinary Officer, to Municipal Commissioner/Executive Officer/In charge of Police station on Proforma 10A. Taking cognizance of the same, concerned Municipal Commissioner/Executive Officer/In charge of Police station shall take appropriate legal action against such animal owners under section 11(A) & subsection (3) of section 11 of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny act, 2007 (as amended time to time).

5. **Amendment in rule 19 :**

In rule 19 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :—

Column-1 <i>Existing Rule</i>	Column-2 <i>Rule Hereby substituted</i>
19. The Mukya Nagar Adhikari/Executive Officer shall forward the application forms to the Veterinary Officer of the concerned area under intimation to the applicant for receiving the Health Certificate ( <b>Proforma 11</b> ) and forwarded application letter for his/her cows or their progeny from the latter and make it available to the former. Health certificate will be prepared in three copies.	After receiving the application the Veterinary officer of the concerned area shall examine the of every cow progeny of the applicant and issue Health Certificate as per <b>Proforma "11"</b> in three copies. First copy of Health Certificate shall be issued to applicant, second copy shall be sent to Chief Veterinary Officer of the district & third copy shall be kept as office copy.

6. **Amendment in rule 21 :**

In rule 21 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :—

Column-1 <i>Existing Rule</i>	Column-2 <i>Rule Hereby substituted</i>
21. The animal owner will pay the fee as determined by the State Government for the issue of each cow progeny health certificate	1. The animal owner will pay the fee to Veterinary Officer of the concerned area as determined by the State Government for the each cow progeny health certificate and registration.  2. The examination of health and registration of sheltered cow progeny in Gau Sadans, recognized for shelter of unproductive cow progeny shall be made without any fee for health certificate or registration certificate.

**7. Amendment in rule 22 :**

In rule 22 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :--

<b>Column-1</b> <i>Existing Rule</i>	<b>Column-2</b> <i>Rule Hereby substituted</i>
<p><b>22. (1)</b> After receiving the health certificate, the Mukya Nagar Adhikari/Executive Officer shall issue a registration certificate (<b>Proforma 12</b>) to the animal owner in which the ear-tag number will be treated as the registration number and entered on the registration certificate issued thereof. Registration certificate will be prepared in three copies.</p> <p><b>(2)</b> The Mukya Nagar Adhikari/Executive Officer shall enter the details of each animal owner and the details of the registered cow progeny in the cow progeny registration register.</p>	<p><b>(1)</b> After issuing the Health Certificate, the Veterinary Officer of the concerned area shall issue a Registration Certificate in three copies of each animal on amended <b>Proforma "12"</b>. The ear tag number of each animal shall mentioned in Registration Certificate. First copy of Registration Certificate shall be issued to applicant, second copy shall be sent to Chief Veterinary Officer of the district &amp; third copy shall be kept as office copy.</p> <p><b>(2)</b> The Chief Veterinary Officer of the district shall enter the full details of each animal owner and registered cow progeny in the 'Cow Progeny Registration Register' on prescribed <b>Proforma "14"</b> and acquaint the quarterly Progress of the Cow Progeny Registration Register to concerned local body.</p>

**8. Amendment in rule 23 :**

In rule 23 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :--

<b>Column-1</b> <i>Existing Rule</i>	<b>Column-2</b> <i>Rule Hereby substituted</i>
<p><b>23.</b> If in case the ear tags of the animals registered earlier falls off and is lost, the animal owner will inform the Mukya Nagar Adhikari/Executive Officer in writing in this regard, who in turn shall inform the Veterinary Officer, who shall then retag the animal with a new ear tag and inform the Mukya Nagar Adhikari/Executive Officer regarding the same.</p>	<p>If in case the ear tags of the animals registered and lost, the animal owner shall inform the Veterinary Officer in writing in this regard and the procedure of re registration shall be followed based on the provisions of Rule 20 &amp; 21.</p>

**9. Amendment in rule 24 :**

In rule 24 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :--

<b>Column-1</b> <i>Existing Rule</i>	<b>Column-2</b> <i>Rule Hereby substituted</i>
<p><b>24.</b> If any person contravenes the provisions of section 8 or makes an attempt to contravene these provisions then that person will be punished under section (3) of section 11 of the act.</p>	<p>If any person contravenes or makes an attempt to contravene the provisions of section 7 and 8, then necessary action may be taken against such person to punish under sub-section (3) of section 11 of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2007 (as amended time to time) by the competent authority authorized for compounding according to section 11A of the Act. In accordance of such competent authority authorized for compounding may proceed with the challan proceeding</p>

Column-1 <i>Existing Rule</i>	Column-2 <i>Rule Hereby substituted</i>
	according to Proforma 15 and compound the offence according to Proforma 16. If convicted animal owner doesn't pays the fine imposed by compound within a month, the case may be referred to court for trial.

**10. Amendment in rule 25 :**

In sub rule (2) of rule 25 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :--

Column-1 <i>Existing Rule</i>	Column-2 <i>Rule Hereby substituted</i>
<b>25. (2)</b> Those organizations which have their own land which is free from any dispute and is in the possession of the applicant organization will be given preference. The applicant organization will have to give certified copies of the documents regarding State Government not issuing any gazette notification for acquiring the proposed land and in case the proposed land on lease the proof regarding period of lease being for next 30 years.	Those organization which has it's own land free from any dispute and is in the possession of the organization, shall be given preference. The applicant organization shall have to give certified copies of the documents regarding the State Government not issuing any notification in gazette for acquiring the proposed land. In case applicant organization has the land on lease, it has to submit the proof regarding period of lease being for next 30 years. In case applicant organization is running the Gausadan for unproductive cow progeny, ion rented land/building, it shall not be entitled for government grants on construction heads. In case such an organization qualifies all other norms for recognition, it shall be entitled for maintenance grants of cow progeny free of levy Veterinary & other technical services at the Government Veterinary Hospitals and all other facilities as decided by the State Government.

**11. Amendment in rule 26 :**

In rule 26 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :--

Column-1 <i>Existing Rule</i>	Column-2 <i>Rule Hereby substituted</i>
<b>26.</b> The sanction of State Government grant to applicant non-Governmental organizations for the establishment of institutions for uneconomic cow progeny will be based on the number of cow progeny being provided shelter by them. All such applications received will be divided into the following six categories :-- (a) In plain areas, organizations having a capacity of housing 50 cows; (b) In plain areas, organizations having a capacity of housing 100 cows; (c) In plain areas, organizations having a capacity of housing 200 cows; (d) In hill areas, organizations having a capacity of housing 50 cows; (e) In hill areas, organizations having a capacity of housing 100 cows; (f) In hill areas, organizations having a capacity of housing 200 cows:	Non government institutions established for providing shelter to uneconomic cow progeny shall be sanctioned government grants on maintenance and strengthening head that Provide the institutions providing shelter to less than 50 unproductive cow progeny shall not be entitled for grants in plain region and the institutions providing shelter to less than 25 productive cow progeny shall not be entitled for government grants in hill region. The grant applications of the institutions shall be sanctioned time to time according to the directions of Uttarakhand government and availability of budget. On maintenance head (for maintenance of cow progeny) grants shall be sanctioned on proportional manner based on the number of cow progeny sheltered by them.

<b>Column-1</b> <i>Existing Rule</i>	<b>Column-2</b> <i>Rule Hereby substituted</i>
Provided that if the applicant organization is housing 50 cows then in the first phase that organization may be sanctioned government grant for the establishment of institution for 50 cows only. In the same manner for the applicant organization housing more than 50 but less than 100 cows Government grant may be sanctioned for the establishment of institution for 100 cows only in the first phase and the organizations housing more than 100 but less than 200 animals then the applicant organization may be sanctioned Government grant for the establishment of institutions for 200 cows only in the first phase.	

**12. Amendment in rule 27 :**

In rule 27 of the principle rule the existing rule as setout in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :--

<b>Column-1</b> <i>Existing Rule</i>	<b>Column-2</b> <i>Rule Hereby substituted</i>
<b>27.</b> All such grants shall be sanctioned under these six categories under Rule 26 only. The concerned applicant organization shall initially submit an initial estimate of site plan layout of the proposed construction at the proposed site. After the policy decision for the construction has been made the applicant will have to submit blue print of the site plan layout along with a head wise estimate of the same. The estimates to be submitted shall be on the approved rates of the Public Works Department and the rates shall be approved thereafter.	All such grants shall be sanctioned under Rule 25 and Rule 26. Applicant institutions shall be approved construction grants based on Model Estimates/Designs as approved by state government. The construction grants & maintenance grants shall be approved based on time to time according to the directions of State Government and availability of budge.

**13. Amendment in rule 29 :**

In sub rule (1) of rule 29 of the principle rule the existing rule as set out in column-1 below the rule as setout in column-2 shall be substituted namely :--

<b>Column-1</b> <i>Existing Rule</i>	<b>Column-2</b> <i>Rule Hereby substituted</i>
<b>29. (1)</b> All the applications will be examined by competent authority. After examination of all the issues related to these applications by the competent authority the following committee will select the organizations for grant of Government aid :--  (a) Hon'ble Minister - Chairman Animal Husbandry, Government of Uttarakhand	All the applications shall be examined by competent authority. After examination of all the issues related to these applications by the competent authority the following committee will select the organizations for grant of Government aid :--  (a) Minister, Animal - Chairperson Husbandry, Government of Uttarakhand

Column-1 <i>Existing Rule</i>	Column-2 <i>Rule Hereby substituted</i>
(b) Deputy Chairman of Uttarakhand Gau Sewa Ayog - Member	(b) Chairperson Uttarakhand Gau Sewa Ayog - Member
(c) Secretary Animal Husbandry, Government of Uttarakhand - Member	(c) Deputy Chairperson, Uttarakhand Gau Sewa Ayog - Member
(d) Head of Department, Department of Animal Husbandry, Uttarakhand - Member	(d) Deputy Chairperson, Uttarakhand Animal Welfare Board - Member
(e) Secretary, Uttarakhand Gau Sewa Ayog - Member	(e) Secretary, Animal Husbandry, Government of Uttarakhand - Member
(f) Secretary, Uttarakhand Animal Welfare Board - Member	(f) Head of Department, Department of Animal Husbandry, Uttarakhand - Secretary
	(g) Secretary, Uttarakhand Gau Sewa Ayog - Member
	(h) Secretary, Uttarakhand Animal Welfare Board - Member

#### 14. Insertion of new rule 33 and 34 :

In the principle rules after rule 32, the following rules 33 & 34 with title shall be inserted as follows :--

#### 33. Establishment of Forensic Lab for analysis of bovine tissue :

For analysis of bovine tissue in the cases of cow slaughter or suspected for cow slaughter the bovine tissue (muscles, blood, bone, skin, hairs or any other tissue) Forensic Lab may be established. State Government shall recognize this Forensic Lab through official notification under provisions of Cr. P. C.

#### 34. Procedure for sampling, handover & analysis of bovine tissue :

On written intimation of Incharge of concerned Police Thana/Chauki on Annexure-17, the Veterinary Officer appointed in the Government Veterinary Hospital of that area shall collect the bovine tissue sample (muscles, blood, bone, skin, hairs or any other tissue) through help of Police. The bovine tissue sample shall be handed over to Police on Annexure-18. Incharge of concerned Police Thana/Chauki shall send the bovine tissue sample under police custody, to notified Forensic Lab to get the forensic analysis done.

The Director, Uttarakhand Animal Husbandry Department shall be competent authority to determine the quantity of bovine tissue, procedure and precautions for collection, manner of analysis etc. according to prevailing and available technique, time to time.

## Amended Proforma "2" under Rule-4

Existing Proforma	Proforma Hereby Substituted
<p align="center"><b>Proforma "2"</b></p> <p align="center"><b><u>Certificate of Disease</u></b></p> <p>I .....  Veterinary Officer .....  have examined the .....  .....  and do hereby certify that the animal is  suffering from the .....  ..... notified  communicable/infectious disease or  suffering from an untreatable disorder and  may be euthanized.</p> <p>Date.....</p> <p align="right">Veterinary Officer</p>	<p align="center"><b>Proforma "2"</b></p> <p align="center"><b><u>Certificate of Disease</u></b></p> <p>To,  Chief Veterinary Officer,  District .....</p> <p>It is to be intimated that I have examined the ..... and do hereby  certify that the animal is suffering from the .....  ..... notified communicable/infectious disease or suffering from  an untreatable disorder. This case may be forwarded to  prescribed authority to issue permission of euthanasia of this  particular animal.</p> <p align="right">Date :</p> <p>Signature of Veterinary Officer :  Name of Veterinary Officer :  Office Seal :</p> <hr/> <p>To,  Sub District Magistrate(SDM)  District .....</p> <p>It is to be intimated that I have technically inspected this  proposal regarding euthanasia to particular animal. It is  recommended that permission for euthanasia to this  particular animal may be given.</p> <p align="right">Date :</p> <p>Signature of Chief Veterinary Officer :  Name of Chief Veterinary Officer :  Office Seal :</p> <hr/> <p align="center">It is permitted that above particular animal may be  euthanised.</p> <p align="right">Date :</p> <p>Signature of Sub District Magistrate(SDM) :  Office Seal</p>



## Amended Proforma "10" under Rule-18

Existing Proforma	Proforma Hereby Substituted
<p align="center"><b>Proforma "10"</b></p> <p align="center"><b><u>Application for Registration of</u></b> <b><u>Cow Progeny</u></b></p> <p>To, Mukhya Nagar Adhikari/Executive Officer Nagar Palika/Nagar Nigam District .....</p> <p>Sir, I ..... S/o ..... Resident of ..... Post Office ..... Police Station ..... District ..... request you to register my animals as per details given below : - <b>Detail of Animals</b></p> <p>1. 2. 3. 4. 5.</p> <p align="right">Yours faithfully,</p> <p align="center">Signature and Name of Applicant</p>	<p align="center"><b>Proforma "10"</b></p> <p align="center"><b><u>Application for Registration of</u></b> <b><u>Cow Progeny</u></b></p> <p>To, Veterinary Officer, Government Veterinary Hospital ..... District .....</p> <p>Sir, I ..... S/O ..... Resident of ..... Post Office ..... Police Station ..... District ..... request you to register my animals as per details given below : - <b>Detail of Animals</b></p> <p>1. 2. 3. 4. 5.</p> <p align="right">Yours faithfully,</p> <p>Signature of of Applicant :</p> <p>Name of of Applicant :</p> <p>Address of of Applicant :</p> <p>Date of Application :</p>

**Amended Proforma "10A" under Rule-18**

**Proforma for expert examination report/ bovine tissue sample collection for forensic analysis  
in the cow slaughter cases or cases suspected for cow slaughter**

From,

Veterinary Officer/ Senior Veterinary Officer,  
Government Veterinary Hospital .....

To,

Municipal Commissioner/Executive Officer,  
Municipal Corporation/ Municipality .....

Letter No. .... Dated .....

**Subject : Registration of cow progeny as per section 8 of Uttarakhand Protection of Cow Progeny (as Amended time to time) Act, 2007.**

Sir,

It is to be stated that :-

- From the date ..... to date ..... total ..... cow progeny have been registered as per section 8 of Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2017. The list of the same is annexed herewith/ has already been sent to you vide letter No. .... Dated ..... from this office. Rest of the animal owners have yet to cooperate
- For the registration of cow progeny, Animal Husbandry Department is going to do Ear Tagging & Recording of Identification Marks is on dated ..... in the Ward No. .... In the light of presently effective Government Order No.103/XV-I/2011/07(81)/2005 Dated 23 March, 2011 the levy for the Health Certificate/ Animal Registration Certificate is to be issued.

It is stated that the animal farmers of the Ward No..... may be intimated through the Hon'ble Ward Member of the concerned ward. Necessary legal action as per section 11(3) & section 11(A) of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2017, against the animal farmers not cooperating.

(Dr. ....)

Veterinary Officer/ Senior Veterinary Officer,  
Government Veterinary Hospital .....

Letter No. .... / Dated .....

cc :

1. Incharge Police Thana/ Police Chauki ..... for necessary legal action as per section 8 & section 11(A) of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny (Amendment) Act, 2015 against the animal farmers not cooperating.
2. Ward Member Ward No. ....
3. Chief Veterinary Officer District .....

(Dr. ....)

Veterinary Officer/ Senior Veterinary Officer, -  
Government Veterinary Hospital .....

## Amended Proforma "12" under Rule-22(1)

Existing Proforma	Proforma Hereby Substituted																																												
<p align="center"><b>Proforma "12"</b></p> <p align="center"><b><u>Registration Certificate for</u></b> <b><u>Cow Progeny</u></b></p> <p>As per the health certificate No. .... issued by Veterinary Officer, Government Veterinary Hospital ..... following animals of Sri ..... S/o ..... Resident ..... Post Office ..... Police Station ..... District ..... are registered as given below :-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>S.N.</th> <th>Animal</th> <th>Sex</th> <th>Tag No.</th> </tr> </thead> <tbody> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> </tbody> </table> <p align="right">Signature, Seal &amp; Date of Mukhya Nagar Adhikari/Executive Officer of the Local Body</p>	S.N.	Animal	Sex	Tag No.																	<p align="center"><b>Proforma "12"</b></p> <p align="center"><b><u>Registration Certificate for</u></b> <b><u>Cow Progeny</u></b></p> <p>As per the health certificate No. .... issued by this office following animals of Sri ..... S/o ..... Resident of ..... Post Office ..... Police Station ..... District ..... are registered as given below :-</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>S.N.</th> <th>Details of Animal (Color, Age, Lactation, Horns, Tail switch)</th> <th>Sex</th> <th>Tag No.</th> </tr> </thead> <tbody> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> </tbody> </table> <p>Signature of Veterinary Officer : Name of Veterinary Officer : Date and Seal of Veterinary Officer :</p>	S.N.	Details of Animal (Color, Age, Lactation, Horns, Tail switch)	Sex	Tag No.																				
S.N.	Animal	Sex	Tag No.																																										
S.N.	Details of Animal (Color, Age, Lactation, Horns, Tail switch)	Sex	Tag No.																																										

## Amended Proforma "14" under Rule-22(2)

Existing Proforma	Proforma Hereby Substituted																																										
<p><b>Proforma "14"</b></p> <p><b><u>Register for Registration of Cow Progeny</u></b></p> <p>No existing proforma</p>	<p><b>Proforma "14"</b></p> <p><b><u>Register for Registration of Cow Progeny</u></b></p> <p>Name of the Local Body :</p> <p>Name of District :</p> <p>Details of animals registered in the last trimester :</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>Name &amp; Address of Animal Owner</th> <th>Registration No.</th> <th>Tag No.</th> <th>Sex</th> <th>Age</th> <th>Horns</th> <th>Identification details Body color &amp; Tail switch</th> </tr> </thead> <tbody> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> <tr><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td><td> </td></tr> </tbody> </table> <p>Signature of Chief Veterinary Officer :</p> <p>Name of Chief Veterinary Officer :</p> <p>Date &amp; Seal of Chief Veterinary Officer :</p>	Name & Address of Animal Owner	Registration No.	Tag No.	Sex	Age	Horns	Identification details Body color & Tail switch																																			
Name & Address of Animal Owner	Registration No.	Tag No.	Sex	Age	Horns	Identification details Body color & Tail switch																																					

**Proforma "15" under Rule-24****Proforma for Panchnama/ Challan to be issued to the accused**

Today on dated ..... at place ..... following animal owner/ owners was/ were found guilty for violation of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2007, Uttarakhand Protection of Cow Progeny (Amendment) Act, 2015 & the Uttarakhand State Protection of Cow Progeny (Amendment) Rules, 2016 :-

1. Name & Adress of Animal Owner/ Owners : .....  
 .....  
 .....  
 .....

2. Details of the legal provisions violated under the above legal provisions :

- (a) Violation of section-7(a) of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2007 (leaving the cow progeny vagrant).
- (b) Violation of section-7(b) of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2007 (free wandering of cow after milching her).
- (c) Violation of section-8 of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2007 (not getting the cow progeny registered).

Signature of witness (1) : ..... (2) : .....

Name of witness (1) : ..... (2) : .....

Address of witness (1) : ..... (2) : .....

**Notice to the accused for getting the offence compounded by the authority**

You ..... Father's Name .....

R/O ..... Police station .....

District ..... are hereby informed that you were found guilty for violation of provisions of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2007 / the Uttarakhand Protection of Cow Progeny (Amendment) Act, 2015 & the Uttarakhand State Protection of Cow Progeny Rules, 2016 as mentioned above. Therefore your expected to be present in the office of Mukhya Nagar Adhikari/Executive Officer/ Police Thana/ Police Chauki (slash that is not applicable) ..... by dated..... to get the offence compounded by the authority & take the receipt of the fine amount deposited.

Signature of the Authority :

Name : .....

Seal : .....

Received the copy

.....

(signature of the accused)

The Panchnama/ Challan Notice may be sent by registered post in case accused is not available.

**Proforma "16" under Rule-24****Proforma for getting the offence compounded by the authority**

To,

Mukhya Nagar Adhikari/ Executive Officer/ Incharge Police Thana/ Incharge Police Chauki  
(not below the rank of Sub Inspector)

Sir,

It is to be informed that as per Panchnama Challan No. .... dated .....  
I was found guilty for violation of section-7 (leaving the cow progeny vagrant) / section-8 (not getting the cow progeny registered) of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny Act, 2007 (slash that is not applicable). I shall not repeat the offence in future.

Therefore it is requested that the offence may be compounded under the provisions of section 11(A) of the Uttarakhand Protection of Cow Progeny (Amendment) Act, 2015 & Rule-24 of the Uttarakhand State Protection of Cow Progeny (Amendment) Rules, 2016 & I may be issued the receipt of Rs 1000/- only (Rs One Thousand only) against fine amount being deposited

Signature of the accused : .....

Name of the accused : .....

Address of the accused : .....

**Proforma "17" under Rule-34****Proforma for expert examination report/ bovine tissue sample collection for forensic analysis  
in the cow slaughter cases or cases suspected for cow slaughter**

To,

Veterinary Officer,  
Government Veterinary Hospital .....  
District - .....

Sir,

It is to be intimated that on dated ..... under Police Thana/ Police Chauki ..... a case for cow slaughter/ suspected cow slaughter has been recorded through FIR No. .... (or attached intimation letter or self cognizance by police). In this case your subject matter expert opinion is sought for or if feel necessary the cow tissue sample may be collected & handed over for forensic analysis.

Signature of Police Thana/ Police Chauki .....

Name of Incharge of Police Thana/ Police Chauki .....

Office Seal of Police Thana/ Police Chauki .....

**Proforma "18" under Rule-34****Proforma for collection & dispatch bovine tissue sample for forensic analysis**

To,

Officer Incharge,  
Government Forensic Lab Pashlok, Rishikesh,  
District – Dehradun.

Sir,

It is to be intimated that on dated ..... under Police Thana/ Police Chauki ..... a case for cow slaughter/ suspected cow slaughter has been recorded through FIR No. .... (or attached intimation letter or self cognizance by police). For forensic analysis the cow tissue sample is being sent as following :-

Quantity of sample :  
Condition of Sample :  
Name of Preservative :  
Date of Sealing :  
Time of Sealing :  
Seal attestation is annexed along with.

Signature of witnesses while sealing :-

1. Signature of witness-1 .....	2. Signature of witness-2 .....
Name of witness-1 .....	Name of witness-2 .....
Address of witness-1 .....	Address of witness-2 .....

Brief report of Veterinary Officer in the case :

Initial opinion of Veterinary Officer in the case :

Signature of Veterinary Officer/Date : .....  
Name of Veterinary Officer : .....  
Designation of Veterinary Officer : .....  
Office seal of Veterinary Officer : .....  
Letter No. & dispatch date : .....

Signature of Police Personnel/ Date : .....  
Name of Police Personnel : .....  
Designation of Police Personnel : .....

Signature of controlling officer of Police Personnel/ Date : .....  
Name of controlling officer Police Personnel : .....  
Designation of controlling officer Police Personnel : .....  
Office of controlling officer Police Personnel : .....

By Order,

R. MEENAKSHI SUNDERAM,

Secretary.



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

## उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 07 जुलाई, 2018 ई0 (आषाढ़ 16, 1940 शक सम्वत्)

### भाग 1—क

नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

NOTIFICATION

June 08, 2018

**No. 201/UHC/XIV-a/39/Admin.A/2012--**Ms. Sweta Pandey, Civil Judge (Jr. Div.), Laksar, District Hardwar is hereby sanctioned child care leave for 41 days w.e.f. 16.04.2018 to 26.05.2018 with permission to prefix 14.04.2018 & 15.04.2018 as holidays and suffix 27.05.2018 as Sunday holiday, in terms of Office Memorandum No. 11/XXVII(7)34/2011, dated 30.05.2011, issued by Government of Uttarakhand.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,

Sd/-

Registrar (Inspection).

OFFICE OF THE DISTRICT JUDGE, NAINITAL

CHARGE CERTIFICATE

June 15, 2018

(Handing Over)

**No. 646/I-2-2018 Nainital--**Certified that the undersigned has handed over charge of the office of the District & Sessions Judge, Nainital due to availing of Earned Leave since 18.06.2018 to 30.06.2018 (prefix 16.06.2018 & 17.06.2018 as Idu'l Fitr and Sunday holidays respectively and suffix 01.07.2018 as Sunday holiday) in afternoon of 15<sup>th</sup> day of June, 2018.

C. P. BIJALWAN.

Countersigned

(Illegible)

Registrar General,

High Court of Uttarakhand,

Nainital.

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 27 हिन्दी गजट/395-भाग 1-क-2018 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।

491-ख





# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

## उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 07 जुलाई, 2018 ई0 (आषाढ़ 16, 1940 शक सम्वत्)

भाग 8

सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि  
कार्यालय—नगर पंचायत, कपकोट (बागेश्वर)

सार्वजनिक सूचना

21 फरवरी, 2018 ई0

पत्रांक 862/उपविधि/2017-18—नगर पंचायत, कपकोट, जिला—बागेश्वर नगर सीमान्तर्गत उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 (उत्तराखण्ड में यथाप्रवृत्त) की धारा 298 की उपधारा-2 खण्ड (झ) का (घ) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, नगरीय ठोस अपशिष्ट के प्रबन्धन नियमावली, 2011 के क्रियान्वयन हेतु “नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन व यूजर चार्ज उपविधि, 2017” बनाई जाती है, जो नगरपालिका अधिनियम, 1916 की धारा 301 की उपधारा (1) के अन्तर्गत जनसामान्य एवं जिन पर इस उपविधि का प्रभाव पड़ने वाला हो, उनसे आपत्ति एवं सुझाव प्राप्ति हेतु प्रकाशित की जा रही है।

अतः समाचार-पत्र में उपविधि के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर लिखित सुझाव एवं आपत्तियाँ, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, कपकोट नगर को प्रेषित की जा सकेगी। वादमियाद प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन व यूजर चार्ज उपविधि, 2017

संक्षिप्त प्रसार एवं प्रारम्भ:—

1. यह उपविधि नगर पंचायत, कपकोट, जिला—बागेश्वर की “नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन व यूजर चार्ज उपविधि, 2017” कहलायेगी।
2. यह उपविधि नगर पंचायत, कपकोट, जिला—बागेश्वर नगर के सम्पूर्ण क्षेत्र में प्रभावी होगी।
3. यह उपविधि सरकारी गजट उत्तराखण्ड में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगी।

परिभाषाएँ :

- (i) “नगरीय ठोस अपशिष्ट” के अन्तर्गत औद्योगिक परिसंकटमय अपशिष्टों को छोड़कर किन्तु उपचारित जैव चिकित्सीय अपशिष्टों को सम्मिलित करते हुए, ठोस या अर्द्ध ठोस के रूप से नगरीय/अधिसूचित क्षेत्रों में पैदा किया जाने वाला वाणिज्यिक तथा आवासीय अपशिष्ट आता हैं।

- (ii) "उपविधि" से अभिप्रेत, उत्तर प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1916 के उपबन्धों के अधीन गठित उपविधि से है।
- (iii) "नगरपालिका" से अभिप्रेत सविधान के अनुच्छेद 243(थ) के खण्ड 7 के उपखण्ड (ग) के अधीन किसी नगर के संगठित नगर पंचायत, कपकोट, जिला-बागेश्वर से है।
- (iv) "अधिशासी अधिकारी" से अभिप्रेत, उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 के अन्तर्गत पालिका केन्द्रीयित सेवा नियमावली, 1966 के अधीन नियुक्त अधिशासी अधिकारी से है।
- (v) "सफाई निरीक्षक" से अभिप्रेत, नगर पंचायत, कपकोट, जिला-बागेश्वर नगर में शासन द्वारा तैनात सफाई निरीक्षक से है, ऐसे अधिकारी के उपलब्ध न होने की स्थिति में नगर पंचायत के उस अधिकारी/कर्मचारी से हैं, जो उस पद के कार्यभार के लिए शासन, नगर पंचायत बोर्ड या अधिशासी अधिकारी द्वारा अधिकृत किया गया हो।
- (vi) "निरीक्षण अधिकारी" का अभिप्रेत, अधिशासी अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, सफाई निरीक्षक अथवा ऐसे अधिकारी/कर्मचारी से हैं, जिन्हें समय-समय पर अधिशासी अधिकारी के आदेश से निरीक्षण के लिए अधिकृत किया गया हो।
- (vii) "नियम" से अभिप्रेत, भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं0, 648 नई दिल्ली, मंगलवार 03 अक्टूबर 2000 असाधारण अधिसूचना नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर, 2000 द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत नगरीय ठोस अपशिष्ट (प्रबन्धन और हथालन) नियम, 2000 बनाये गये से है।
- (viii) "अधिनियम" से अभिप्रेत, उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 (उत्तराखण्ड में यथाप्रवृत्त) से है।
- (ix) "जीव नाशित/जैव निम्नकारणीय/जैविक अपशिष्ट (Biodegradable waste)" से अभिप्रेत, ऐसे अपशिष्ट पदार्थों से है, सूक्ष्म जीवों द्वारा निम्नकरण किया जा सकता है, जैसे बचा हुआ खाना, सब्जी एवं फलों के छिलके, फलों के छिलके, फूलों-पौधों आदि के पत्ते एवं अन्य जैविक अपशिष्ट आदि।
- (x) "जीव अनाशित अपशिष्ट (Non-biodegradable waste)" का अभिप्रेत, ऐसे कूड़ा-कचरा सामग्री से हैं, जो जीव नाशित कूड़ा-कचरा नहीं हैं और इसके अन्तर्गत प्लास्टिक भी है।
- (xi) "पुनर्चक्रणीय अपशिष्ट (Recyclable waste)" से अभिप्रेत, ऐसे अपशिष्ट से है, जो दोबारा किसी भी प्रकार सीधे अथवा विधि से परिवर्तित करके, उसका दोबारा उपयोग किया जा सकता है। जैसे प्लास्टिक, पॉलीथीन (निर्धारित माइक्रोन के अन्दर), कागज, धातु, रबड़ आदि।
- (xii) "जैव चिकित्सीय अपशिष्ट (Biomedical waste)" से तात्पर्य, ऐसे अपशिष्ट से है, जिसका जनन मानवों व पशुओं के रोग निदान, उपचार, प्रतिरक्षीकरण के दौरान या उससे सम्बन्धित किसी अनुसंधान, क्रियाकलापों या जैविक के उत्पादन या परीक्षण के दौरान हुआ हो।
- (xiii) "संग्रहण (Collection)" से अपशिष्ट के उत्पत्ति स्थल, संग्रहण बिन्दुओं तथा किसी अन्य स्थान से ठोस अपशिष्ट को उठाया जाना अभिप्रेत है।
- (xiv) "कचरा खाद बनाने (Composting)" एक ऐसी नियंत्रित प्रक्रिया से अभिप्रेत है, जिसमें कार्बनिक पदार्थ का सूक्ष्म जैवीय निम्नकरण अन्तर्वलित है।
- (xv) "ढहान तथा निर्माण सम्बन्धी अपशिष्ट (Demolition and Construction waste)" से अभिप्रेत सन्निर्माण, पुनर्निर्माण, मरम्मत और ढहाने सम्बन्धी सक्रिया के परिणाम स्वरूप निर्माण सामग्री, रोड़ियों और मलबे से उद्भूत अपशिष्ट से है।
- (xvi) "व्ययन (Disposal)" से भूजल, सतही जल तथा परिवेशी वायु गुणवत्ता को सन्दूषण से बचाने हेतु आवश्यक सावधानी से नगरीय ठोस अपशिष्ट का अन्तिम रूप से व्ययन, अभिप्रेत है।

- (xvii) "भूमिकरण (Landfilling)" से भूजल, सतह जल का प्रदूषण और वायु के साथ उड़ने वाली धूल, हवा के साथ उड़ने वाला कूड़ा, बदबू, आग के खतरे, पक्षियों का खतरा, नाशी जीव/कृत्तक, ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन, ढाल अस्थिरता और कटाव के लिए सुरक्षात्मक उपकरणों के साथ डिजाइन की गई सुविधा में, अपशिष्ट, ठोस अपशिष्ट का भूमि भरण पर निपटान, अभिप्रेत है।
- (xviii) "निक्षालितक (Leachate)" से वह द्रव्य अभिप्रेत है, जिसका ठोस अपशिष्ट या अन्य माध्यम से रिसाव हुआ है तथा जिसने इसमें से धुलित अथवा निलम्बित पदार्थ का निष्कर्ष किया है।
- (xix) "नगरपालिका प्राधिकारी (Municipal Authority)" में, म्युनिशपल कॉर्पोरेशन, म्युनिसिपैलिटी, नगरपालिका, नगर पंचायत, नगरपालिका परिषद्, जिसके अन्तर्गत अधिसूचित क्षेत्र, समिति (एन0ए0सी0) अथवा सुसंगत कानूनों के अन्तर्गत गठित कोई अन्य स्थानीय निकाय अभिप्रेत है, जहाँ नगरीय ठोस अपशिष्ट का प्रबन्धन और हथालन ऐसे किसी अभिकरण को सौंपा जाता है।
- (xx) "स्थानीय प्राधिकारी (Local Authority)" का अभिप्रेत, तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन गठित नगर निगम, नगरपालिका परिषद्, नगर पंचायत, क्षेत्र पंचायत या ग्राम पंचायत है।
- (xxi) "नगरीय ठोस अपशिष्ट (Municipal Solid Waste)" के अन्तर्गत औद्योगिक परिसंकटमय (Hazardous) अपशिष्टों को छोड़कर किन्तु उपचारित जैव चिकित्सीय अपशिष्टों को सम्मिलित करते हुए, ठोस या अर्द्ध ठोस के रूप से नगरीय/अधिसूचित क्षेत्रों में पैदा किया जाने वाला वाणिज्यिक तथा आवासीय अपशिष्ट आता है।
- (xxii) "सुविधा के परिचालक (Operator of Facility)" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो नगरीय ठोस अपशिष्टों के संग्रहण, पृथक्करण, भण्डारण, परिवहन, प्रसंस्करण और निपटान की सुविधा का स्वामी या परिचालक है और इसके अन्तर्गत ऐसा कोई अभिकरण आता है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में नगरीय ठोस अपशिष्टों के प्रबन्धन एवं हथालन के लिए नगरपालिका प्राधिकारी द्वारा इस रूप से नियुक्त किया गया है। "प्रसंस्करण" से वह प्रक्रिया अभिप्रेत है, जिसके द्वारा अपशिष्ट सामग्रियों को नये पुनःचक्रित उत्पादों में परिवर्तन किया जाता है।
- (xxiii) "पुनर्चक्रण (Recycling)" से वह प्रक्रिया अभिप्रेत है, जो नये उत्पादों के उत्पादन के लिए पृथक्करण सामग्रियों को उत्पादन सामग्री में परिवर्तन करता है। जो अपने मूल उत्पादन के समान हो सकता है या नहीं भी हो सकता है।
- (xxiv) "पृथक्करण (Segregation)" से नगरीय ठोस अपशिष्टों को कार्बनिक, अकार्बनिक, पुनःचक्रण योग्य और परिसंकटमय अपशिष्टों को वर्गों से अलग-अलग करना अभिप्रेत है।
- (xxv) "भण्डारण (Storage)" से नगरीय ठोस अपशिष्टों के अस्थाई रूप से इस प्रकार डिब्बाबन्द किया जाना अभिप्रेत है, जिससे कूड़ा-करकट, रोग वाहकों के आकर्षित करने, आवारा पशुओं तथा अत्याधिक दुर्गन्ध को रोका जा सके।
- (xxvi) "परिवहन (Transportation)" से विशेष रूप से डिजाइन की गई परिवहन प्रणाली द्वारा स्वच्छता से एक स्थान से दूसरे स्थान तक नगरीय ठोस अपशिष्ट का परिवहन करना अभिप्रेत ताकि दुर्गन्ध, कूड़ा-करकट बिखरने, रोग वाहकों की पहुँच से रोका जा सके।

4. कोई भी व्यक्ति/स्थापन (Establishment) नगरीय ठोस अपशिष्टों को नाली, सड़क, गली, फुटपाथ, किसी भी खुले स्थान पर जो नगर पंचायत द्वारा इस प्रयोजन के लिए निर्धारित नहीं किया गया है, न डालेगा और न डलवायेगा।
5. नगरीय ठोस अपशिष्टों के उत्पादक व्यक्ति/स्थापन अपशिष्ट उत्पादन स्थल पर दो कूड़ेदान रखेगा, जिसमें से एक जैव निम्नकरणीय अपशिष्ट तथा दूसरे में पुनः चक्रणीय अपशिष्ट संग्रहित करेगा।
6. नगरीय ठोस अपशिष्टों के उत्पादक व्यक्ति/स्थापन द्वारा उक्त बिन्दु 5 के अनुसार संग्रहित जैव निम्नकरणीय अपशिष्ट प्रतिदिन तथा पुनः चक्रणीय अपशिष्ट सप्ताह में एक दिन नगर पंचायत, के द्वारा निर्धारित समय, प्रक्रिया के अनुसार नगर पंचायत के कर्मचारी/सुविधा प्रचालक (Operator of a Facility) को देना होगा (किन्तु जीवनाशित कूड़ा, जीव अनाशित थैले में रखकर नहीं डाला जायेगा), जिसके लिए अनुसूची में निर्धारित दरें जो समय-समय पर संशोधित की जा सकेंगी के अनुसार उत्पादक व्यक्ति/स्थापन से प्रतिमाह सेवा शुल्क (User Charges) लिए जायेंगे।
7. नगरीय ठोस अपशिष्टों के उत्पादक व्यक्ति/स्थापन ढहान तथा निर्माण सम्बन्धी अपशिष्टों को उठाने के लिए नगर पंचायत से सम्पर्क कर नगर पंचायत द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ऐसे अपशिष्टों को उठाने के लिए निर्धारित दर पर सेवा शुल्क (User Charges) भुगतान करना होगा।
8. नगरीय ठोस अपशिष्टों के उत्पादक व्यक्ति/स्थापन द्वारा जहाँ तक सम्भव हो बागवानी व सभी पेड़-पौधों के कूड़े परिसर में ही कम्पोस्ट करना होगा, जहाँ ऐसा करना सम्भव ना हो तो नगर पंचायत से सम्पर्क कर नगर पंचायत द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ऐसे अपशिष्टों को उठाने के लिए निर्धारित दर पर सेवा शुल्क (User Charges) भुगतान करना होगा। किसी भी दशा में ऐसे अपशिष्टों को जलाया नहीं जायेगा।
9. नगरीय ठोस अपशिष्टों के उत्पादक व्यक्ति/स्थापन द्वारा परिसंकटमय (Hazaradous) अपशिष्टों को अलग से जमा रखना होगा और पन्द्रह दिन में एक बार द्वार-द्वार (door to door) संग्रहण हेतु कर्मचारी/सुविधा प्रचालक को देना होगा।
10. नगरीय ठोस अपशिष्टों के उत्पादक व्यक्ति/स्थापन जीव चिकित्सा अपशिष्टों का प्रबन्धन जीव-चिकित्सा अपशिष्ट (प्रबन्धन एवं हस्तन) नियम 1998 के अनुसार करेगा, बिना उपचारित जैव-चिकित्सा अपशिष्टों को नगरीय ठोस अपशिष्टों में नहीं मिलायेगा।
11. नगरीय ठोस अपशिष्टों के उत्पादन करने वाला/हथालन करने वाला, व्यक्ति/स्थापन तथा अन्य कोई भी व्यक्ति नगरीय ठोस अपशिष्ट को न जलायेगा और नही जलवायेगा।
12. नगरीय ठोस अपशिष्टों के उत्पादन, पृथक्करण, संग्रहण, भण्डारण, परिवहन तथा व्ययन से सम्बन्धित स्थल का निरीक्षण का अधिकार निरीक्षण अधिकारी का होगा।
13. निरीक्षण अधिकारी द्वारा स्थल पर गए नगरीय ठोस अपशिष्ट को यदि तत्काल उठाने की आवश्यकता समझी जाती है तो मासिक यूजर चार्ज के अन्तर्गत निर्धारित नहीं है, को अपशिष्ट उत्पादक के द्वारा अथवा नगरपालिका/सुविधा प्रचालक द्वारा तत्काल उठावाया जा सकेगा और उसके लिए स्थल पर ही यूजर चार्ज वसूल किया जा सकेगा। जिसकी रसीद अपशिष्ट उत्पादक को दी जायेगी, वह घनराशि उसी दिन अथवा अगले कार्य दिवस में नगरपालिका/सुविधा प्रचालक के खाते में जमा की जायेगी।
14. अनुसूची में दी गई दरों में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी, जिसकी गणना ₹ 5.00 (पाँच) के पूर्णांक में की जायेगी।
15. उपविधि में लगाये जाने वाले यूजर चार्ज/सेवा शुल्क में छूट का प्राविधान नहीं होगा।
16. यह कि उपविधि में दिए गए किसी नियम का उल्लंघन करने पर यदि कोई व्यक्ति या परिवार जैविक-अजैविक कूड़े को सड़क व नाली में फेंकता है, तो प्रथम बार ₹ 200.00, दूसरी बार पर ₹ 500.00 एवं तीसरी बार में ₹ 1,000.00 पैनैल्टी देनी होगी।

### अन्तिम प्रकाशन सूचना

इस कार्यालय के पूर्व पत्रांक संख्या 723/न0प0/यूजर चार्ज उपविधि/2017-18, दिनांक 23.09.2017 द्वारा नगर पंचायत, कपकोट क्षेत्रान्तर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन के अन्तर्गत यूजर चार्ज उपविधि, 2017 लगाये जाने हेतु दिनांक 25 सितम्बर, 2017 द्वारा दैनिक जागरण समाचार पत्र के पृष्ठ संख्या 15 में सूचना का प्रकाशन कराया गया था। जिसमें व्यापार मण्डल, कपकोट की आपत्ति प्राप्त थी। जिसका दिनांक 09.10.2017 को तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी महोदय, कपकोट की अध्यक्षता में निस्तारण कर, दरों में संशोधन किया गया है। जिनकी दरें अग्रसारित मान्य/स्वीकृत होगी:-

## अनुसूची-1 सेवा शुल्क (User Charges) की दरें

क्र० सं०	अपशिष्ट उत्पादक की श्रेणी/अपशिष्ट के प्रकार	प्रतिमाह सेवा शुल्क (User charges) की राशि ₹ में
1.	आवासीय भवन	20/-प्रतिमाह
2.	सब्जी एवं फल विक्रेता	ठेली-50/प्रतिमाह, स्थायी दुकान 100/प्रतिमाह
3.	मांस एवं मछली विक्रेता	100/प्रतिमाह
4.	रेस्टोरेन्ट	100/प्रतिमाह
5.	होटल/लॉजिंग/गेस्ट हाउस	20 कमरे तक-100/प्रतिमाह, 20 कमरे से ऊपर-200/प्रतिमाह
6.	सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालय/स्कूल/सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षण संस्थाएँ	50/-प्रतिमाह
7.	समस्त बैंक	50/-प्रतिमाह
8.	हॉस्पिटल/नर्सिंग होम (बॉयोमेडिकल वेस्ट को छोड़कर)	150/-प्रतिमाह
9.	क्लीनिक (मेडिकल), पैथोलॉजी	100/-प्रतिमाह
10.	स्थायी दुकानें	50/-प्रतिमाह
11.	अस्थायी दुकानें (फड एवं ठेला)	20/-प्रतिमाह
12.	वर्कशॉप एवं कबाड़ी	50/-प्रतिमाह
13.	ढहान तथा निर्माण सम्बन्धी अपशिष्ट (रेता, सरिया, रोडा, ईट, पत्थर आदि)	100/प्रतिदिन/प्रतिवाहन
14.	वाइन शॉप, देशी	400/-प्रतिमाह
15.	वाइन शॉप, विदेशी	450/-प्रतिमाह
16.	बाल्वेर, दजी	100/-प्रतिमाह
17.	ड्राईक्लीन करने वाली दुकान	100/-प्रतिमाह
18.	गन्ने का रस/जूस विक्रेता	50/-प्रतिमाह
19.	सार्वजनिक/निजी स्थलों पर सर्कस/प्रदर्शनी/विवाह आदि प्रति आयोजन, जिसमें अपशिष्ट उत्पन्न होता है	200/-प्रतिमाह
20.	उपरोक्त सूची अतिरिक्त समस्त प्रकार के व्यवसायियों/उद्योग/आवास पर	50/-प्रतिमाह

उपरोक्त विवरण के अलावा धार्मिक कार्य जैसे-मण्डारा, जागरण, शोभा यात्रा/जुलूस आदि पर उपरोक्त दरें लागू नहीं होगी।

## शास्ति

उपरोक्त उपविधि का उल्लंघन उ0प्र0 नगरपालिका अधिनियम, 1916 (उत्तराखण्ड में यथाप्रवृत्त) की धारा 299(1) एवं नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन नियमावली, 2011 के अन्तर्गत दण्डनीय होगा, जो ₹ 5,000.00 (रु० पाँच हजार मात्र) तक हो सकेगा और जब ऐसा भंग निरन्तर किया जाय, तो अग्रेत्तर जुर्माना किया जायेगा, जो प्रथम दोष सिद्धि के दिनांक के पश्चात् ऐसे प्रत्येक दिन के लिए, जिसमें अपराधी का अपराध करते रहना सिद्ध हो, ₹ 500.00 तक हो सकेगा। यह अधिकार अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, कपकोट, जिला-बागेश्वर नगर में निहित होगा।

कृपाली, सिंह  
अधिशासी अधिकारी,  
नगर पंचायत, कपकोट  
(बागेश्वर)।

श्रीमती चम्पा देवी,  
अध्यक्ष,  
नगर पंचायत, कपकोट  
(बागेश्वर)।

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 27 हिन्दी गजट/395-भाग 8-2018 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।